• बाल कविताएं...

प्रकृति-संदेश ...

पर्वत कहता शीश उठाकर,
तुम भी ऊंचे बन जाओ
सागर कहता है लहराकर,
मन में गहराई लाओ।
समझ रहे हो क्या कहती है
उठ-उठ गिर गिर तरल तरंग,
भर लो, भर लो अपने मन में,
मीठी-मीठी मृदुल उमंग।
पृथ्वी कहती- धैर्य न छोड़ो
कितना ही हो सिर पर भार,
नभ कहता है फैलो इतना
ढक लो तुम सारा संसार।

नटखट पांडे...

नटखट पांडे आए आए
पकड़ किसी का घोड़ा लाए
घोड़े पर हो गए सवार
घोड़ा चला कदम दो चार
नटखट थे पूरे शैतान
लगा दिये दो कोड़े तान
घोड़ा भगा देख मैदान
नटखट पांडे गिरे उतान

■ सोहन लाल द्विवेदी

• चुटकुले...

बेटा- मम्मी, तुम्हारे लिए मेरी क्या कीमत है?
मां- बेटा तू तो करोड़ों का है...
बेटा- तो उसी करोड़ों मे से 25,000 रुपये देना, गोवा घूमने जाना है.फिर मां ने की चप्पलों की बरसात...

वो लड़कियां भी किसी आतंकवादी से कम नही हुआ करती थी।
जो टिचर के क्लास मे आते ही याद दिला देती है ....
सर आपने टेस्ट का बोला था!

पत्नी के जन्मदिन पर पति ने पूछा- तुम्हें क्या गिफ्ट चाहिए?
पत्नी की इच्छा नई कार लेने की थी। उसने इशारों में कहा- मुझे ऐसी चीज लेकर दो जिस पर मेरे सवार होते ही वो 2 सेकेंड में 0 से 80 पर पहुंच जाए।
शाम को पति ने उसे वजन कांटा लाकर दे दिया।

• जानकारी...

जहां नहीं है इंसान का नामों निशान

धरती पर ऐसी कई जगहें हैं जहां जो किसी न किसी वजह से खाली पड़ी हुई हैं। वहीं आज हम आपको एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं जहां यदि आप गए तो आपको ये जगह भूतिया लग सकती है।

दरअसल इस जगह के हजारों किलोमीटर दूर तक इंसान का नामोनिशान नहीं है। इस जगह पर भयानक आवाजें आती रहती हैं। यहां इंसान तो दूर जानवर भी नजर नहीं आते। हालांकि ये जगह वैज्ञानिकों के लिए बहुत काम की है। तो चलिए आज हम इसके बारे में जानते हैं।

दरअसल हम पाइंट निमो की बात कर रहे हैं। इस जगह की खोज एक सर्वे इंजीनियर Hrvoje Lukatela ने साल 1992 में की थी। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस जगह पर इंसान तो दूर की बात है बल्कि यहां जानवर या जीव-जंतु भी नजर नहीं आते। आश्चर्य की बात ये है कि यहां कोई वनस्पति भी नहीं है। यही वजह है कि इसे दुनिया की सबसे सुनसान जगह कहा जाता है। यहां कोई व्यक्ति जाने का सपना भी नहीं देखता।

हालांकि ये जगह वैज्ञानिकों के बहुत काम की है। दरअसल पाइंट निमो में स्पेस से खराब हुई सैटेलाइट को गिराया जाता है। एक रिपोर्ट की मानें तो स्पेस से खराब हुई लगभग 100 सैटेलाइट का कबाड़ यहां इकट्ठा हो चुका है, जो हजारों किलोमीटर दूर तक नजर आता है।

कोई देश नहीं रखता पॉइंट निमो पर अधिकार- ये जगह प्रशांत महासागर के बिल्कुल बीचोंबीच स्थित है। जिसके आसपास दक्षिण अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड स्थित हैं। इस जगह पर किसी भी देश का अधिकार नहीं है। इस जगह के सुनसान होने की एक वजह इसे भी माना जा सकता है।

बेहद पास है अंतरिक्ष- एक तरह से आप इस जगह को अंतरिक्ष से बेहद पास भी मान सकते हैं। दरअसल इस जगह के सबसे पास स्थित द्वीप 2,700 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। वहीं यदि इस जगह से 400 किलोमीटर की दूरी पर जाने पर आप अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पहुंच जाएंगे। इस तरह इस जगह को अंतरिक्ष की सबसे करीबी जगह माना जा सकता है।

आती हैं रहस्यमयी आवाजें- यहां जाने पर आपको ऐसा सन्नाटा नजर आएगा, जो आपकी रूह तक को कांपने पर मजबूर कर सकता है। साल 1997 में समुद्र वैज्ञानिकों को पॉइंट निमो के पूर्व में लगभग 2,000 किमी से एक रहस्यमयी आवाज सुनाई दी थी। ये आवाज ब्लू व्हेल से भी तेज़ शोर वाली थी। जिसे सुनकर वैज्ञानिक भी उलझन में पड़ गए कि आखिर ये आवाज है किस चीज की। कुछ लोगों ने इसे दूसरी दुनिया की आवाज बताया तो वहीं कुछ ने इसे भूतिया आवाज कहा।

कहा जाता है कि इस जगह पर चट्टानें टूटती रहती हैं। यहां से आने वाली रहस्यमयी आवाजों को भी यहां टूटती रहने वाली चट्टानों से जोड़कर देखा जाता है।

• गोनू झा

रात का भाव

गतांक से आगे...

उन्होंने पंडिताइन की पीठ थपथपाते हुए कहा - 'अब जाने भी दो, दो पाई की चीज के लिए इस तरह आँसू नहीं बहाते।

'फिर उन्होंने पंडिताइन को बताया कि रात को उन्होंने चोरों की आहट सुन ली थी और उन्हें गुमराह करने के लिए सेंबल के बीज के भाव बताये थे तथा एक किस्सा गढ़ दिया था।

गोनू झा की बात सुनकर पंडिताइन की जान में जान आई। गोनू झा बिस्तर से उठे। स्नानादि से निवृत होकर उन्होंने स्वच्छ वस्त्र धारण किए और बाजार की ओर चल पड़े। बाजार पहुँचकर उन्होंने सबसे पहला काम यह किया कि बाजार - सुरक्षा चौकी पर गए और वहाँ के चौकीदार से बताया कि बाजार में यदि कोई सेंबल का बीज बेचता नजर आए तो उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जाए, क्योंकि एक ठग कल से ही सेंबल के बीज को जीवन -रक्षक औषधि बताकर बेचने की कोशिश कर रहा है।

वह सेंबल के बीज की कीमत दो सौ रुपए तोला बता रहा है। वे खुद उससे ठगाते-ठगाते बचे हैं।

पहले तो चौकीदार को विश्वास ही नहीं हुआ कि कोई व्यक्ति इस तरह का दुस्साहस कर सकता है कि दो पाई की चीज के लिए दो सौ स्वर्ण- मुद्राओं की माँग करे, लेकिन बात चूँकि गोनू झा की थी तो उसे सतर्कता दिखाने की मजबूरी हो गई।

चौकीदार को लेकर गोनू झा बाजार का चक्कर लगाने लगे। एक जगह पर उन्होंने एक व्यक्ति को कपड़ा बिछाए सेंबल का बीज बेचते देखा। आम तौर पर सेंबल के बीज बाजार में नहीं बेचे जाते इसलिए उन्हें विश्वास हो गया कि यह व्यक्ति कोई और नहीं, वही चोर है जो रात में उनके घर से सेंबल के बीजों की पोटली चुराकर ले आया है। उन्होंने चौकीदार को इशारा कर दिया और उनके इशारे पर चौकीदार चोर के पास पहुँचा और उससे संबल के बीज की कीमत पूछा। चोर ने चौकीदार की ओर देखकर कहा - 'दो सौ स्वर्ण -मुद्राएँ - प्रति तोला।'

चौकीदार ने प्रश्न किया - 'अरे, इतना महँगा? क्या है इन बीजों में? आखिर ये सेंबल के ही बीज हैं न?'

चोर ने मुस्कुराते हुए कहा -'अरे ये साधारण बीज नहीं हैं ? इन बीजों में जीवन - रक्षक तत्त्व हैं।'

तब तक गोनू झा वहाँ पहुंच चुके थे और चोर - चौकीदार संवाद का रस ले रहे थे। उन्होंने चोर से कहा - 'अरे तू तो रात का भाव बता रहा है। चौकीदार जी, जरा इसे सेंबल के बीजों का दिन वाला भाव बता दीजिए?'

फिर क्या था, चोर को चौकीदार ने पकड़ा। उसकी मुस्कें चढ़ा दी और पीटता हुआ उसे लेकर चला गया।

गोनू झा अपनी मस्त चाल से राजदरबार की ओर बढ़ने लगे। **-समाप्त**

गोनू झा की बात सुनकर पंडिताइन की जान में जान आई। गोनू झा बिस्तर से उठे। स्नानादि से निवृत होकर उन्होंने स्वच्छ वस्त्र धारण किए और बाजार की ओर चल पड़े। बाजार पहुँचकर उन्होंने सबसे पहला काम यह किया कि बाजार – सुरक्षा चौकी पर गए और वहाँ के चौकीदार से बताया कि बाजार में यदि कोई सेंबल का बीज बेचता नजर आए तो उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जाए, क्योंकि एक ठग कल से ही सेंबल के बीज को जीवन –रक्षक औषधि बताकर बेचने की कोशिश कर रहा है...

• रोचक...

सबसे अधिक तापमान

भारत में सबसे गर्म महीना मई और जून का होता है। ऐसे में देश में कई जगहों पर गर्मी से लोगों का हाल बेहाल है। ऐसे में हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं जहां का तापमान 70 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। ईरान का बंदर-ए-महशाहर शहर दुनिया की सबसे गर्म जगहों में से एक है। इस जगह का अधिकतम तापमान जुलाई 2015 में 74 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। दुनिया की सबसे गर्म जगहों की लिस्ट में अफ्रीका का हारा रेगिस्तान का नाम भी शामिल है। सहारा रेगिस्तान में औसत तापमान 32 से 42 डिग्री सेल्सियस रहता है। इतना ही नहीं पूरे साल यहां 100 मिलीमीटर से भी कम बारिश होती है। सूडान के वाडी हाल्फा शहर में बारिश नहीं होती है, यहां पर हमेशा औसत तापमान 41 डिग्री सेल्सियस रहता है। यहां साल 1967 में अधिकतम तापमान 53 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

• कॉफी...

दुनियाभर में कॉफी उत्पादन पहले के मुकाबले कॉफी कम हुआ है। आज के वक्त ब्राजील में 26 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा कॉफी का उत्पादन होता है। ब्राजील के बाद वियतनाम, पेरू और इंडोनेशिया जैसे देशों में कॉफी का सबसे ज्यादा उत्पादन होता है। बता दें कि भारत भी टॉप-10 की लिस्ट में शामिल है। हालांकि एक्सपर्ट के मुताबिक क्लाइमेंट चेंज होने के कारण कॉफी का उत्पादन बहुत कम हो रहा है। अगर स्थिति ऐसी ही बनी रहेगी तो 2050 तक कॉफी उत्पादन में ज्यादा कमी आ सकती है, जिससे इसकी पहुंच कम लोगों तक होगी।